50 विश्वास करने के कारण हम सुसान डेविस ने अंत समय में कर

मैं अगर आप एक बवंडर या तूफान आ रहा था कि चार संकेत था - यदि आप चार लक्षण आप कैंसर था आप डॉक्टर के पास जाना होता था - आप च चार संकेत है कि आप एक दिल का दौरा आप अस्पताल जाना होगा कर रहे थे था आप उचित कदम उठाने होगा - मैं कह रहा हूँ वहाँ बाइबल से कम से कम 50 संकेत है कि प्रभु के आने के पास है - तो आप उचित कदम उठा रहे हैं?

50 विश्वास करने के कारण हम अंत समय में कर रहे हैं:

1. प्रकृति का अस्थिरता बढ़ रही है।
(मत्ती 24: 7 और 21:11 यूक)
2. अराजकता और हिंसा बढ़ रही है।
(मैथ्यू 24:12)
3. अनैतिकता में वृद्धि करना।
(24:37 मैथ्यू)
4. भौतिकवाद में वृद्धि करना।
(2 तीमुथियुस 3: 2)
5. उल्लास में वृद्धि करना।
(2 तीमुथियुस 3: 4)
6. मानवतावाद के प्रभाव में वृद्धि करना।
(2 तीमुथियुस 3: 2)
7. भ्रष्ट मनोरंजन।
(2 तीमुथियुस 3: 4)
8. बुराई अच्छा है और अच्छा बुराई कॉलिंग।
(2 तीमुथियुस 3: 3 और यशायाह 5:20)
9. दवाओं के उपयोग में वृद्धि करना।
(2 तीमुथियुस 3: 3)
10. निन्दा बढ़ाने से।
(2 तीमुथियुस 3: 2)
11. बुतपरस्ती बढ़ाने से।
(2 तीमुथियुस 3: 1-4)
12. निराशा में वृद्धि करना।
(2 तीमुथियुस 3: 1)
13. आकाश में संकेत।
(ल्यूक 21: 11,25)
14. ज्ञान में वृद्धि करना।
(डैनियल 12: 4)
15. पर्यटन में वृद्धि करना।
(डैनियल 12: 4)
16. संप्रदायों के विस्फोट।
(मैथ्यू 24:11)
17. झूठे मसीह के प्रसार।
(मत्ती 24: 5)
18. चर्च में स्वधर्म त्याग में वृद्धि करना।

(2 तीमुथियुस 4: 3-5)
19. यीशु पर हमलों में वृद्धि करना।
(रोमियों 1: 18-19)
20. बाइबल पर हमलों में वृद्धि करना।
(रोमियों 1: 18-19)
21. ईसाइयों के उत्पीड़न में वृद्धि करना।
(मत्ती 24: 9)
22. जादू-टोना में वृद्धि करना।
(1 तीमुथियुस 4: 1)
23. युद्धों और युद्ध की अफवाहें।
(मत्ती 24: 6)
24. सामूहिक विनाश के हथियारों।
(ल्यूक 21:26)
25. अकाल बढ़ाने से।
(21:11 यूक)
26. महामारी बढ़ाने से।
(21:11 यूक)
27. कंप्यूटर प्रौद्योगिकी।
(रहस्योद्घाटन 13: 7)
28. टेलीविजन।
(रहस्योद्घाटन 11: 8-9)
29. सैटेलाइट प्रौद्योगिकी।
(रहस्योद्घाटन 11: 8-9)
30. आभासी वास्तविकता।
(रहस्योद्घाटन 13: 14-15)
31. यूरोप के एकीकरण।
(डैनियल 2 और 7)
32. सुदूर पूर्वी सैन्य शक्तियों।
(रहस्योद्घाटन 09:16 और 16:12)
33. विश्व सरकार की ओर आंदोलन।
(डैनियल 7: 23-26)
34. यहूदियों के Regathering।
(यशायाह 11: 10-12)
35. इस्राएल की पुन: स्थापना।
(यशायाह 66: 7-8)
36. इस्राएल के देश के उद्धार।
(ईजेकील 36: 34-35)
37. बाइबिल हिब्रू का पुनरुद्धार।
(सपन्याह 3: 9; यिर्मयाह 31:23)
38. यरूशलेम के पुन: कब्जे।
(लूका 21:24)
39. इजरायली सेना के पुनरुत्थान।
(जकर्याह 12: 6)
40. फिर से ध्यान केंद्रित कर इसराइल पर दुनिया की राजनीति की।

(जकर्याह 12: 3)
41. रूसी इसराइल के लिए खतरा।
(ईजेकील 38 और 39)
42. इसराइल को अरब खतरा।
(ईजेकील 35 और 36)
43. दूसरे से वंचित करना आ रहा है।
(2 पतरस 3: 3-4)
44. परमेश्वर की ओर से निर्माण से वंचित करना।
(रोमियों 1: 18-22)
45. पवित्र आत्मा के दिल से बोझ उठाना।
(जोएल 2: 28-29)
46. कई भाषाओं में बाइबिल का अनुवाद।
(मत्ती 24:14)
47. दुनिया भर में सुसमाचार की प्रचार।
(मत्ती 24:14)
48. मसीहाई यहूदी धर्म के पुनरुद्धार।
(रोमियों 9:27)
49. दाऊद प्रशंसा पूजा के पुनरुद्धार।
(आमोस 9:11)
50. बाइबिल भविष्यवाणी की समझ।
(डैनियल 12: 8-9)

यह सूची लम्बी हो सकती है, लेकिन उपरोक्त 50 उदाहरण यह साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि हम प्रभु के दूसरे आगमन में जी रहे हैं।

पवित्र शास्त्र स्पष्ट रूप से सिखाता है कि भगवान चेतावनी के बिना क्रोध नहीं भेजते हैं, क्योंकि हमारे भगवान एक प्यार करने वाले और दयालु भगवान हैं, और वह नहीं चाहते कि किसी भी आत्मा को दंडित किया जाए (2 पतरस 3: 9)। सामान्य चैट चैट लाउंज इसीलिए उसने अनगिनत संकेत दिखाए हैं जिनसे हमें पता चल सकता है कि हम अंतिम दिनों की सीमा और क्लेश के अंत तक पहुँच गए हैं।